M.A. Semester III Examination, 2014
HINDI
Paper : IX

Time : Three Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए— 2×8=16

(क) ना सो वाचहिं गुरु कहइ, ना से बूझइ शिष्य।
सहजामृत-रस सकल जग, कासु कहीजै कस्य।।
स्वक-संवित्ती तत्त्व-फल, सरहापाद भनन्ति।
जो मन-गोचर पाइअइ, सो परमार्थ न होन्ति।।

(ख) अजपा जपै सुंनि मन धरै, पांचौं इंद्री निग्रह करै।
ब्रह्म अगनि मैं होमै काया, तास महादेव बंदै पाया।।
धन जोवन की करै न आस, चित्र न राषै कांमनि पास।
नाद बिंद जाकै घटि जरै, ताकी सेवा पारबती करै।।

(ग) भरिग बान चहुआन जानि दुरि देव नाग नर।
मुठ्ठि दिठ्ठि रिसि डुलिग चुक्कि निक्करिग एक सर।
उभय बान दिअ हथ्थि पुठ्ठि परमारि पचारिय।
वानावरि तटकंति घुटित धर धरनि आधारिय।

(घ) ए सखि हमर दुखक नहिं ओर।
ई भर बादर मास भादर सून मन्दिर मोर।
झंझा धन गरजन्ति सन्तति भुवन भरि बरखन्तिया।
कन्त पाहुन काम दारुन सघन खर सर हन्तिया।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए— 2×12=24

(क) सरहपा के आधार पर सिद्ध-साहित्य के सामाजिक विचारों की समीक्षा कीजिए।

(ख) गोरखनाथ के काव्य में प्रतिपादित सामाजिक-धार्मिक दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालिए।

(ग) " 'पृथ्वीराजरासो' राजनीति की महाकाव्यात्मक त्रासदी है।" कथन की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'विद्यापति अपरूप के कवि हैं' कथन की सत्यता प्रमाणित कीजिए।